

Curriculum Planner
पाठ्य योजना (2025-26)
(हिन्दी विभाग ,कालिन्दी महाविद्यालय)

पाठ्यक्रम : ऑल ऑनर्स प्रथम वर्ष

सेमेस्टर : 1 (अगस्त - नवम्बर)

प्रश्नपत्र: ए.ई.सी.सी.(योग्यताप्रदायी अनिवार्य पाठ्यक्रम)

हिन्दी भाषिक सम्प्रेषण विविध आयाम

शिक्षक: डॉ. रक्षा गीता

प्रश्नपत्र साझेदारी : कोई नहीं

	Topic	Reference	Approximate (schedule)
1.	सम्प्रेषण का अर्थ, महत्व व अवधारणा से विद्यार्थियों को परिचित कराया गया ।	समनुदेशन कार्य के अंतर्गत सर्वप्रथम हिन्दी वर्णमाला व सम्प्रेषण अर्थ , महत्व , अवधारणा , प्रक्रिया व चुनौतियों	अगस्त-2025
2.	सम्प्रेषण की प्रक्रिया, सम्प्रेषण प्रक्रिया के संघटक व प्रभाव सम्प्रेषण की चुनौतियों के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई।	विषय पर लिखित कार्य समनुदेशन कार्य जांच व त्रुटियों पर चर्चा	
3.	सम्प्रेषण के विविध मॉडल के बारे में कक्षा में विस्तार से चर्चा की गई।		सितम्बर 2025
4.	सम्प्रेषण के प्रकार के अंतर्गत मौखिक, लिखित , सांकेतिक, वैयक्तिक व सामाजिक सम्प्रेषण अंतरावैयक्तिक, अंतर्वैयक्तिक , सामूहिक चर्चा,व्यावसायिक सम्प्रेषण		
5.	(व्यावसायिक पत्र-लेखन) भ्रामक सम्प्रेषण व सम्प्रेषण में बाधाएँ व उसकी चुनौतियों पर विस्तार से कक्षा में विचार रखे गए।	परियोजना कार्य , त्रुटियों पर विस्तार से चर्चा	अक्टूबर 2025
6.		सम्प्रेषण के विविध प्रकार बाधाएँ व	

		रणनीति विषय पर कक्षा परीक्षा	
7.		कक्षा परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं को जाँच व त्रुटियों पर विस्तार से चर्चा	
8.	सम्प्रेषण के माध्यम के अंतर्गत एकालाप व संवाद, सामूहिक चर्चा व प्रभावी सम्प्रेषण पर विद्यार्थियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई।		नवम्बर 2025
		कक्षा परीक्षा हेतु विद्यार्थियों का अभ्यास व पुनरावृत्ति	
		कक्षा परीक्षा की जाँच के त्रुटियों पर विस्तार से चर्चा की गई।	
9.	सम्प्रेषण के विविध आयाम पढ़ने व समझने के विविध सोपानों के अंतर्गत गहन अध्ययन, अध्याहार, सार-लेखन, अन्वय, विश्लेषण और व्याख्या व अनुवाद विषय पर गहन चर्चा की गई।		
10.	सत्रांत परीक्षा की तैयारी हेतु कक्षा परीक्षा ली व उत्तर पुस्तिका जाँचने के उपरांत त्रुटि व सुधार पर विस्तार से चर्चा की गई।	गत वर्षों के प्रश्नपत्रों पर चर्चा विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान	नवम्बर 2025

प्रमुख अध्ययन सामग्री-

1. भाषिक सम्प्रेषण विविध आयाम - डॉ. आभा सक्सेना, डॉ. नीना अग्रवाल
2. हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण - डॉ. रुचिरा ढींगरा, डॉ. अलोक रंजन पांडेय
3. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4. सम्प्रेषण परक व्याकरण - सिद्धान्त और स्वरूप- सुरेश कुमार
5. प्रयोग और प्रयोग- वी. आर. जगन्नाथ